

किंकिपुत्र ज ४०

कानपुतिजजमानस्य
शामरुशामडायावि
लादितेऽथविजयजायः
नेपाजमल्लसुलिम
उपनेपालदेहे ॥ शु
पमकाष्टपुलीमहान
जालेऽजजलिपालनान
माहाविहाजनिवासिग ॥
शिरपुवालिमुखधम्म
धनुवाग्धपुजवित्रा
जिह्व ॥ उरुजाहिमुख
शसोकमनीहगवान् ॥
दवाकृपावसंति

स तु या डा १

ॐ म न ॐ म डा य वि
ला कि न ष्व वि डा य गा ई
ने पाल म नु ज म लि म
ड प ने पाल ड ॥ स्व
प पु ज ना मन ग र वि
जा डि न ॥ ॐ म नु म नी
र म वा नु डि ज डि नु
दि ॐ या नाम
इ वा कि सा र सं ज ल न
व ल ला दि

ॐ ॐ म नु म नी

224

I

व प्रं पृ ली डा १

ॐ म न ॐ म डा य वि ला
कि न ष्व वि डा य गा ई
ने पाल म नु ज म लि
म नु प ने पा ज ड ॥
व प्रं पृ ली ना मन ग र
दि जा डि न ॥ ॐ म नु म
म य म डा य वि जा डि
न ष्व वि जा डि न ॥
दि ॐ या नाम
इ वा कि ना वृ सं ज ल

किपुजीवा ज १

अमरुअममडायावि
लोकिनेष्वप्रविजयता
यै॥नेपालमंलुजमनि
मंलुपे॥नेपाजदुआ
आचर्यरुधर्मधनुवा
उपध्वजविजयमय
जाडिह
इवाकगपुसात्रल

पका ज २

नत्रिडपुलीनामनज
प्रविजाडिह, आधर्म
धनुवा जषज इवा

वाजागम ज २

आवाजामनगलेवि
जाडिह x आधर्मध
नुवा जषज विजाडि
गपूर्वादिपुख इवा

होरवा ज १

आवा नामनज ॥
आधर्मधनुवा जषज
ज

योसिगम अ १

ओयोसिगम मनज प्रवि
जाडि तु पुवति सुख ध
म्वधु वा ज्य ध्वज

मा कृगम अ ३

ओमा कृ पूग नाम नग
प्रवि जाडि न पुवति सु
ख ध म्वधु वा ज्य ध्वज

स्वावगम अ २

ओपुं क्र न स ज प्रि रु
ओगम क मूनी विरो
ओध म्वधु वा ज्य
ध्वज

माजति ध

नगम अ १

ओ नगार्जुन का जित
ओध म्वधु वा ज्य ध्वज
प्रवि जाडि न

पागम अ ३

ओतंका पूजी स स का
प्रि रु ओध म्वधु वा ज्य
ध्वज

ओवग अ २

वीवाहाज ५

१ श्री कृष्ण पात्रपुत्रीन
गले विगाडि रुः
उरु गालि मुखे श्री
श्रुता विलास्य
प्रविगाडि

काजक

१६ नमो भगवते
ॐ नमो भगवते
मो नमो भगवते
गर्हः प्रश्नायां एतद्व
त्यैः सह नमो लोका
उः वेवत्सु नमो भगवते ॥
सत्यः नमोः द्वापरा नमो
कलियुग ॥ प्रथम च
जलः एतद्वत्सु नमोः उ
रुपांचाले नमो भगवते
वासुकि नमोः उपरि

डाह पिथ ॥ आर्या वि
रु पत्न्य रमोः कर्का
ठक नाग जाजा ॥ ना
गपा साहिः महाद्व
रुत ॥ विपश्चित्त
गता विष्णु नमो इत्यु
पमक लिकायां ॥ स
मृत्पुत्रः शुभे नमो
रुद्रा निना दुव्यादि
विष्णु ॥ प्रत्युत नमो
महेश्वरायां दिव्य
रमोः सफर नमो विवि
नमो

नेपातमंडय॥ जागः मा
गीव॥ संखचो॥ सिद्धि
रुजाव॥ धमनाचो॥ प
बहुपाकासएग॥ क
कुकुंडीवाका॥ एगवा
जमति॥ के उभवनिपा
नासि॥ के उभवनिम
लिचुउपुलवाएव॥
मममतिवसुधजाद
वीपुलाव॥ समुल्लतं॥
उलावनिनडिपुलाहि
न॥ पु॥ अ॥ अ॥ अ॥

५ मंलिजंगवयकायगु॥
उगदाधंसमिथसिद्धि
पजिबुनमजात्रनय॥
संमयमंडुजाकाले॥
वजयाजिन्नादीयागी
नीगलः दजकोठअक
माएकाः अकहेत्रवः
सिद्धिः व्याधि॥ गलस
कुमालः हात्रतिः हन
मंगादिदणदिजालीक
पालसवितत्र॥ नय
नेपाजीगलगतः लजी
उपुल्लम॥ अमडाया

वलाकि न श्वर विजय
जाय ॥ श्री १ महाशक्ति
विजयति हवल विज
विज सा हृदयः तम
जस्य जगन्ना ॥ सदास
मजवीजय जाय ॥ वा
गमयायांद कलक
न्य ॥ के श्वरयायांप
र्वकन ॥ मलिमया
यांपकिमकन्य ॥
परावयायांड क
न्य ॥

ॐ हे स्थाने ककली
उक्त श्वरी पसुपति
सनीधने ॥ प्रलिरुप
उनाडी मलिकुत्रमि
वासिरु ॥ मलिमल
पः ॐ हे वपुल्यरुमा
कये ॥ श्रीमदायाव
लाकि न श्वर विजय
जाय ॥ ॐ हे वस्थान
महादानवाकः स्व
सिः नृकथानुमान
न

दानपुमिज्जमानस्य ॥
उधनामः पुण्णुगोपो
गदिः सपत्रीवाजकस्य
सवेपाना ॥ नानाधनो
जायुः श्राज्जग्य सुखे
यदि संप्रावति काम
नायाः मनादिजमित्त
काजः पूर्वजन्मनवा
ॐ हउन्मनवा ॥ हना
होपकृतदधकृष्ण
दिग्रहनाजचो जोड
कागिः विषयसुपज

वक्रइहिकादिः नाना
जोगः स्वकइहखकषु
वाधिरयहजल्लनक्रं ॥
ॐ हउन्मनवाः अत्रि
जायुः गालाग सफव
विः अष्टे अयादिदु
लप्राफिका मनाया ॥
उत्री पूर्वकृत्या ॥ पज
गसुरवावमिजजइह
खइद्वककाजक ॥ अ
संमयकसंवद्वपुड
प्राफिका मनाया ॥

यथा सा सा रु जा वा पु
ग रु सि दि नेः
ओ म नु ओ ओ ध म्म
ध नु वा ग्ग अ नः ओ
उ म्म का रु प लः ओ
उ ग रु पा ल ना न
मा हा वि हा न ध ने वा
सि नः पु वा हि म् रु ख ॥
अ यी र ध म्म धा नु वा
ग्न अ नः इ वा रु गं व
सं न ल न य न ला दि
दि य तं सं क रु —

कायगुदवयात १

फलसयात गुण १

सह उपाध्या १

गुणशक्ति माल १

काउया

पुलि कि पुद जया

गुणि अर्घ्या काउ

न्याग

सिद्धत १०४० सात्रं

पु। सिद्धि माद वडा

ला कौडया धम जी नो

कायगुदवयात १

२२४

I